आरआरकेट, इंदौर में

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह 2021 का आयोजन

राजा रामन्ना प्रगत प्रौद्योगिकी केंद्र, इंदौर में 28 फरवरी, 2021 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस वर्चुअल ऑनलाइन मोड में मनाया गया। सार्वजनिक आउटरीच समिति एवं विज्ञान दिवस समारोह, 2021 के अध्यक्ष श्री पुरुषोत्तम श्रीवास्तव ने प्रतिभागियों का स्वागत किया। हिंदी भाषा में दिए गए अपने स्वागत भाषण में आपने श्रोताओं को बताया कि इस वर्ष के विषय NSD 2021 ने भविष्य के विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवोन्मेष (एसटीआई), शिक्षा का प्रभाव, कौशल और कार्य तथा STIP 2020 के संबंध में छात्रों में जागरूकता लाया कि कैसे वे STIP के गठन में सहयोग दे सकते हैं। फिर, उन्होंने आरआरकेट के निदेशक श्री देवाशीष दास स्वागत किया और दर्शकों को उनका परिचय दिया. श्री देवाशीष दास ने प्रतिभागियों को हिंदी भाषा में संबोधित किया और बताया कि राष्ट्रीय विज्ञान दिवस "रमन इफ़ेक्ट" की ऐतिहासिक खोज के उपलक्ष्य में मनाया जाता है जिसके कारण प्रोफेसर सी.वी.रमन ने नोबेल पुरस्कार जीता। आपने प्रोफेसर रमन के वैज्ञानिक योगदान के अलावा उनके व्यक्तित्व और जीवनशैली के कई प्रेरणादायक पहलुओं को भी सामने लाया। आपने आरआरकेट में लेसर और त्वरक गतिविधियों पर समग्र रूप से प्रकाश डालते हुए अनेक अनुप्रयोगों के संबंध में भी समझाया। उनकी सरल और आसन व्याख्याओं का सभी छात्रों और शिक्षकों पर अनुकरणात्मक प्रभाव पड़ा। श्री दास ने उन शिक्षण संस्थाओं और छात्रों के लिए संभावनाओं का भी संकेत दिया जो वैज्ञानिक अनुसन्धान में अपना कैरियर बनाना चाहते हैं। इंदौर तथा सुदूर स्थित शहरों यथा मल्लापुरम (केरल), पिलानी (राजस्थान), बरहमपुर, उज्जैन, बड़वानी, महू के 27 स्कूलों एवं 9 कालेजों के 650 से अधिक छात्रों और शिक्षकों ने इस ऑनलाइन वर्चुअल समारोह में भाग लिया। 40 विशेष स्कूलों के दिब्यांग छात्रों के लिए विशेष ऑनलाइन सत्र का आयोजन किया गया जिसमें उन्होंने विशेषज्ञ श्री देवाशीष दास, डॉ. जयाबालन, डॉ. विकास जैन, डॉ. रमाकांत बिस्वाल, श्री खगेश्वर साहू और श्रीमती जागृति खानवलकर से द्विभाषिया के माध्यम से चर्चा की और विज्ञान और प्रौद्योगिकी की गतिविधियों में अत्यधिक रूचि दिखायी।

NSD 2021 के प्रतिभागियों को आरआरकेट द्वारा इंडस-1 और इंडस-2 के सिंक्रोट्रॉन विकिरण स्रोतों (एसआरएस), लेजर प्रयोगशालाओं, क्रायोजेनिक प्रयोगशाला, एफईएल, कार्यशाला, चुंबक प्रयोगशाला, अग्नि सुरक्षा, औद्योगिक त्वरक प्रयोगशाला और अन्य दिलचस्प प्रयोगशालाओं में केंद्र की वैज्ञानिक और तकनीकी गतिविधियों का प्रदर्शन करने वाली एक वीडियो क्लिप छात्रों और शिक्षकों को दिखाई गई। चर्चा सत्र के दौरान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिकों के दल ने छात्रों के प्रश्नों का उत्तर दिया। अपराह्न में 250 छात्रों ने पंजीकरण किया और विशेषज्ञों से चर्चा की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मंगेश बोरगे द्वारा किया गया जिसमें श्री राजेश आर्य ने संयोजन किया। वरिष्ठ विशेषज्ञों जिसमें डॉ. चतुर्वेदी, डॉ. मंगेश बोरगे, डॉ. एस. राजा, डॉ. गौतम सिन्हा द्वारा छात्रों का समाधान किया गया।

श्री सुब्रत दास, डॉ. रमाकांत बिस्वाल, डॉ. बीना जैन और श्री एम.पी. कामत ने छात्रों से चर्चा की। श्री इशांत दवे और ध्रुवदीप नरवत ने ऑनलाइन कार्यक्रम को श्री एस.एस. तोमर और श्रीमती स्वाति चौधरी के नेतृत्व में भलीभांति संपन्न किया। कार्यक्रम को वालंटियर्स द्वारा उत्साह एवं समर्पण के साथ अच्छी तरह पूरा किया गया।